हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

कमाओ–कमाते रहो और तब तक कमाओ, जब तक महंगी चीज सस्ती न लगने लगे.

जिस व्यक्ति का लालच खत्म, उसकी तरक्की भी खत्म.

सोमवार 18 मई 2026 बर्ष 02 अंक 131 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

राजकीय मलमास मेला का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया उद्घाटन, श्रद्धालुओं की सेवा भाव से करें मदद – सम्राट चौधरी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला का उदघाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को किया। वहीं यज्ञशाला में मेला का ध्वजारोहण अयोध्या के श्री कोसलेस सदन पिताधेशवर श्री मज्जदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्या भास्कर स्वामी ने किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ब्रह्मकुंड परिसर में लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं सप्तधारा परिसर का ध्वजा पूजन एवं महाआरती करते हुए देश में शांति और सदभाव बना रहे इसके लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा भाव से मदद करें। इनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मलमास मेला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। माना जाता है कि 33 कोटि देवी–देवताओं का यहां पूरे माह वास होता है। लोग श्रद्धा भक्ति के लिए यहां आते हैं। उनकी सुविधाओं और सुरक्षा का पूरी तरह ख्याल रखें। यहां देशभर से जो भी श्रद्धालु जाएं वे अच्छी यादें लेकर जाएं। हमलोगों का दायित्व है कि जो भी यहां आएं उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो और भक्ति भाव से पूजा पाठ कर सकें। उन्होंने कहा कि मेले में आए श्रद्धालुओं की सुविधाओं के साथ–साथ असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखें। श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका भी ख्याल रखें। भीड़ का प्रबंधन अच्छे ढंग से करें। डीएम कुंदन कुमार ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मलमास मेला में आने वाले अन्य श्रद्धालुओं के आवासन के लिए स्टेट गेस्ट हाउस में तैयार किए गए आवासन स्थल, श्रद्धालुओं के लिए भोजन की सुविधा हेतु दीदी की रसोई का भी मुख्यमंत्री ने उदघाटन किया।

दीदी की रसोई में सस्ते दर पर श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जन–सपंर्क मंत्री श्रवण कुमार, पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक डॉ. सुनील कुमार, विधायक कौशल किशोर, विधायक डॉ. जितेंद्र कुमार, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री बनने के बाद पहली बार कतरीसराय पहुंचे श्रवण कुमार, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

केशववाणी गुड्डु कुमार की रिपोर्ट कतरीसराय (नालंदा)। श्रवण कुमार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री बनने के बाद पहली बार कतरीसराय प्रखंड पहुंचने पर जदयू कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद मंत्री श्रवण कुमार शेखपुरा–लखीसराय जाने के दौरान कतरीसराय मार्ग से गुजर रहे थे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही स्थानीय एनडीए एवं जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल बन गया। मायापुर मोड़ पर जदयू नेता बबलू पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल–माला पहनाकर एवं नारों के साथ मंत्री का भव्य स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत कार्यक्रम में सचिन कुमार, रामानुज प्रसाद, राहुल कुमार, पंकज महतो, मुखिया रामजी पासवान, राणा राहुल, रजनीश कुमार, प्रिंस कुमार, छोटी कुमार, पप्पू प्रसाद, ऋषभ कुमार, रोशन कुमार, राजीव कुमार, शुभम कुमार, अनुग्रह कुमार, नीरज कुमार और धर्मपाल कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मलमास मेला में राजगीर–हावड़ा स्पेशल ट्रेन शुरू, सांसद ने दिखायी हरी झंडी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला में श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने राजगीर और हावड़ा के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन की आवाजाही रविवार से शुरू का दी। सांसद कौशलेंद्र कुमार एवं विधायक कौशल किशोर ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। यह ट्रेन राजगीर, बिहारशरीफ, अस्थावां, बरबीघा, शेखपुरा, किउल और भागलपुर होकर चलेगी। गाड़ी संख्या 03029/03030 राजगीर–हावड़ा स्पेशल ट्रेन 18 जून तक चलेगी। ट्रेन विशेष रूप से मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही है। सांसद कौशलेन्द्र कुमार कहा कि मेला के बाद भी यह ट्रेन चलेगी। सभी लोगों को टिकट कटाकर ट्रेन को सफल बनाएं। इसके चलने से कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 03029 हावड़ा–राजगीर स्पेशल 16 मई से 17 जून तक प्रतिदिन हावड़ा से रात 10:50 बजे खुलकर अगले दिन भागलपुर, किउल, लखीसराय, शेखपुरा, सरसा जमालपुर, बरबीघा, अस्थावां, बिहार

शरीफ और नालंदा स्टेशन पर रुकते हुए दोपहर 1 बजे राजगीर पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 03030 राजगीर–हावड़ा स्पेशल बनकर 17 मई से 18 जून तक प्रतिदिन राजगीर से दोपहर 2 बजे खुलकर नालंदा, बिहारशरीफ, अस्थावां, बरबीघा, शेखपुरा, किउल और भागलपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 4:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 4 कोच, साधारण श्रेणी के 8 कोच तथा एसएलआर के 2 कोच सहित कुल 14 कोच हैं। सांसद ने रेलवे स्टेशन के पास जीविका के द्वारा लगायी गयी सस्ती रोटी की दुकान का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर एसीएम(टीसी) प्रदीप कुमार, सीटीआई अंजन शिवन, स्टेशन प्रबंधक चंद्रभूषण सिन्हा, नगर परिषद के सभापति जीरो देवी, सुवेंद राजवंशी, जदयू नेता मुन्ना कुमार, जदयू नेता राकेश कुमार, अजय पासवान, उमेश प्रसाद, अजीत कुमार वर्मा, श्याम महतो सहित अन्य मौजूद थे।

पुरूषोत्तम मास में स्नान करना काफी फलदायक – फलाहारी बाबा एक माह तक 33 कोटि देवी–देवता राजगीर में रहते हैं विराजमान

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। एक माह तक चलने वाले पुरूषोत्तम मास में स्नान करना काफी फलदायक होता है। इस दौरान 33 कोटि देवी–देवता यहीं पर विराजमान होते हैं। सभी तीर्थ यहीं होते हैं। भारतीय संस्कृति में पर्व स्नान का विशेष महत्व माना जाता है। ये बातें स्वामी चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने रविवार को गढ़ महादेव में प्रवचन के दौरान कहीं। बाबा ने कहा कि तीन साल पर आने वाले मेले में पूरे माह का सेवन नहीं करने वाले श्रद्धालु पांच रात, तीन रात या फिर एक बार पर्व स्नान कर भी धार्मिक लाभ ले सकते हैं। पर्व स्नानों में स्नान करने से एक माह के बराबर स्नान करने का फल मिलता है। पूरे माह लगातार स्नान करने से तीन सालों के बराबर फल मिलता है। फलाहारी बाबा ने बताया कि एकादशी पुण्य तिथि होती है। इस दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। सारी वि. तियों को दूर करने के लिए इस दिन के स्नान को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने बताया कि एकादशी के दिन ग्यारहों इंद्री (मन) की साधना होती है। मन ही मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण है। पूर्णिमा के दिन स्नान करने से पूर्णता की प्राप्ति होती है। अमावश्या के दिन सारे देवी–देवताओं के साथ पित्रों की संतुष्टि के लिए की जाती है। बाबा ने कहा कि मनुष्य जैसा करता है उसे वैसा ही फल भोगना पड़ता है। जीवन में कर्म की प्रधानता होती है। सभी जीवों का काम एक समान नहीं होता। व्यक्ति को हमेशा अच्छे काम करना चाहिए। लोगों की भलाई करनी चाहिए। मलमास मेला के दौरान राजगीर के कुंडो में स्नान करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120,9931609015

राजगीर जू एवं नेचर सफारी को मिली नई पहचान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की व्यवस्थाओं की सराहना

वन्यप्राणी संरक्षण से इको–पर्यटन तक, राजगीर सफारी मॉडल की मुख्यमंत्री ने की प्रशंसा

केशववाणी संजीव कुमार बिट्टू की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के द्वारा कहा राजगीर स्थित जू सफारी एवं ग्लास ब्रिज का उत्कृष्ट विकास देखकर गर्व की अनुभूति हुई। यहाँ प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यटन को जिस प्रकार एक साथ विकसित किया गया है. वह बिहार की उभरती हुई इको टूरिज्म पहचान को दर्शाता है। इस कार्य में लगे पूरे दल के समर्पित प्रयासों की सराहना करता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ देता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री ने ग्लास ब्रिज भ्रमण के दौरान पर्यटकों की निरंतर बढ़ती संख्या एवं आकर्षण को दृष्टिगत रखते हुए ग्लास ब्रिज की क्षमता विस्तार के लिए अत्याधुनिक श्विलफ यॉकश विकसित किए जाने के निदेश दिए। साथ ही, पर्यटकों को विश्वस्तरीय, सुरक्षित एवं अधिक सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में उपलब्ध अन्य सभी आधारभूत एवं पर्यटक सुविधाओं की क्षमता वृद्धि एवं उन्नयन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गए है। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री ने जू सफारी एवं नेचर सफारी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुये सफारी बसों की संख्या को भी बढ़ाने हेतु निदेशित किया है। भ्रमण के दौरान माननीय मुख्यमंत्री ने जू सफारी परिसर स्थित वन्यजीव अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हैंड रियरिंग के माध्यम से संरक्षित किए जा रहे शेर के शावकों का अवलोकन किया तथा उनका नामकरण भी किया। उन्होंने 4 माह के मादा शावक का नाम लक्ष्मी रखा। इसके पश्चात माननीय मुख्यमंत्री ने आधुनिक 180 डिग्री थिएटर में प्रदर्शित नवीन फिल्म दा वाईल्ड कॉल को भी देखा गया। उन्होंने डिजिटल एवं ऑडियो विजुअल माध्यमों के जरिए पर्यटकों को वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता के प्रति प्रेरित करने के प्रयासों की सराहना की। भ्रमण के दौरान उनके साथ डॉ. गोपाल सिंह, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, पटना, डॉ. नेशामणी के० मुख्य वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना, श्री राजकुमार एम०, वन प्रमंडल पदाधिकारी, नालन्दा वन प्रमंडल, बिहारशरीफ उपस्थित रहे।

वन्यप्राणी संरक्षण एवं आधुनिक पर्यटन का उत्कृष्ट मॉडल बना राजगीर– मुख्यमंत्री

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजगीर जू एवं ग्लास ब्रिज का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि यहां प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यटन को जिस प्रकार एक साथ विकसित किया गया है, वह बिहार की उभरती हुई इको–टूरिज्म पहचान को दर्शाता है। इस कार्य में लगे पूरे दल के समर्पित प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पर्यटकों की बढ़ती संख्या एवं आकर्षण को दृष्टिगत रखते हुए ग्लास ब्रिज की क्षमता विस्तार के लिए अत्याधुनिक षक्लिफ वॉकष विकसित किए जाने का निर्देश दिया। जू सफारी एवं नेचर सफारी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुये सफारी बसों की संख्या को भी बढ़ाने को कहा। मुख्यमंत्री ने जू सफारी परिसर स्थित वन्यजीव अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हैंड–रियरिंग के माध्यम से संरक्षित किए जा रहे शेर के शावकों का अवलोकन किया तथा उनका नामकरण भी किया। उन्होंने 4 माह के मादा शावक का नाम लक्ष्मी रखा। मुख्यमंत्री ने आधुनिक 180 डिग्री थिएटर में प्रदर्शित नवीन फिल्म दा वाईल्ड कॉल देखा। उन्होंने डिजिटल एवं ऑडियो–विजुअल माध्यमों के जरिए पर्यटकों को वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता के प्रति प्रेरित करने के प्रयासों की सराहना की। भ्रमण के दौरान उनके साथ उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास सह सूचना जन–संपर्क मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक कौशल किशोर, डॉ. गोपाल सिंह, डॉ. नेशामणी, राजकुमार एम. सहित अन्य मौजूद थे।

प्रचंड गर्मी के बावजूद भी महिलाओं का धर्म आस्था पर रही भारी मलमास मेला के शुभारंभ होते ही हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

मलमास मेला के दौरान कुंडो मे स्नान करने से होती है सभी मनोकामनाएं पूरी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला शुरू होते ही रविवार को ब्रह्मकुंड में स्नान करने वाले महिलाओं एवं पुरुषों की भीड़ जन सैलाब की तरह उमड़ पड़ी। पहले दिन स्नान करने के लिए सुबह 5 बजे से ही प्रशासन द्वारा बनाए गए जिग जैग मे लंबीकतारों में खड़े होकर महिलाएं, बच्चे, पुरुष अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। सूबह 6:30 बजे से 9 बजे तक मंगल आरती पूजा पाठ ब्रह्मकुंड परिसर में चलते रहा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा मेला का उद्घाटन करते ही ब्रह्म कुंड परिसर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए खोल दिया गया। ब्रह्मकुंड डुबकी लगाने के लिए लोग आपाधापी करते नजर आए। जिला प्रशासन के द्वारा एक महीने चलने वाली इस मेले को लेकर कई सुरक्षा चक्र के घेरे में होकर तीर्थ यात्रियों को ब्रह्मकुंड परिसर में प्रवेश होने के लिए व्यापक इंतजाम किया गया है। जाने वाले रास्ते में बांस से बैरिकेडिंग किया गया है। कूलर, पंखे एवं मित्र सहयोगी वोलंटियर द्वारा पेयजल की भी व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए किया गया है।

भीषण गर्मी के बाद भी महिलाओं की धार्मिक आस्था पर भारी पड़ा। सभी भक्त श्रद्धालु लोग हर हर महादेव, भोले शंकर के नाम लेते हुए आगे बढ़ रहे थे। जिला प्रशासन के द्वारा लंबी कतारों में खड़ी महिलाओं के लिए जगह–जगह एलसीडी लाइव टेलीकास्ट लगाया गया है। इसमें महाभारत, रामायण एवं अन्य धार्मिक धारावा. हिक प्रसारण की जा रही है, जिससे लंबी कतारों में खड़े महिलाएं को मनोरंजन होता रहे। डीएम एवं एसपी सहित मजिस्ट्रेट श्रद्धालुओं की देखरेख में मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

राजगीर तुलसी गली के आरके हवेली में खोला गया अस्थायी पटेल धर्मशाला मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की करें मदद – सांसद कौशलेन्द्र कुमार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के पुरानी सेंट्रल बैंक गली तुलसी गली के आरके महल हवेली में रविवार को सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने अस्थायी पटेल धर्मशाला का उद्घाटन किया। इससे पहले सांसद ने पटेल चौक पर सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सांसद ने कहा कि मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को यहां पर ठहरने का अवसर मिलेगा। पटेल सेवा समिति द्वारा हर मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी पटेल धर्मशाला खोलकर सेवा दी जाती रही है। आने वाले लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। वर्षों पुरानी परंपरा को कायम रखना है। मेला में आने वाले लोगों की हर तरह से मदद करें। उन्होंने कहा कि राजकीय मलमास मेला में आने वाले तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए जगह–जगह सरकार द्वारा आश्रय स्थल बनाया गया है।

सांसद ने कहा कि ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार अस्थायी पटेल धर्मशाला को लेकर सराहनीय भूमिका निभाते आ रहें हैं। इस मौके पर रामकृष्णा प्रसाद, नगर परिषद के सभापति जीरो देवी, अरुण कुमार वर्मा, जदयू प्रखंड अध्यक्ष जयराम सिंह, जदयू के वरीय नेता मुन्ना कुमार, जदयू नगर अध्यक्ष राकेश कुमार, अजीत कुमार वर्मा, अलेन्द्र कुमार सिन्हा, श्याम नारायण प्रसाद, मन्नू प्रसाद, वेन प्रखंड प्रमुख रंजू देवी, नूरसराय प्रखंड प्रमुख रेखा कुमारी, विजय कुमार, सुधीर पटेल, वेदनिधि सहित अन्य मौजूद थे।

मकान पेंटिंग करने के दौरान गिरने से एक व्यक्ति की मौत

केशववाणी राजगीर (नालंदा)। शहर के गांधी टोला निवासी ज्वाला रविदास की मौत मकान पेंटिंग के दौरान गिर जाने से हो गयी। इससे पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। मृतक के प्रिंस एवं निशा दो बच्चे हैं। ज्वाला दास अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला व्यक्ति था। कुणाल कुमार ने बताया कि ज्वाला दास एक पेंटर थे। सम्राट अशोक नगर में एक निजी मकान में पेंट करने के दौरान दो तले मकान पर पेंट करने वाले लगे झूले से गिर गए। इससे गंभीर चोट आई और राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचने के बाद मृत घोषित कर दिया गया। विधायक कौशल किशोर ने इस घटना को लेकर शोक जताया है।

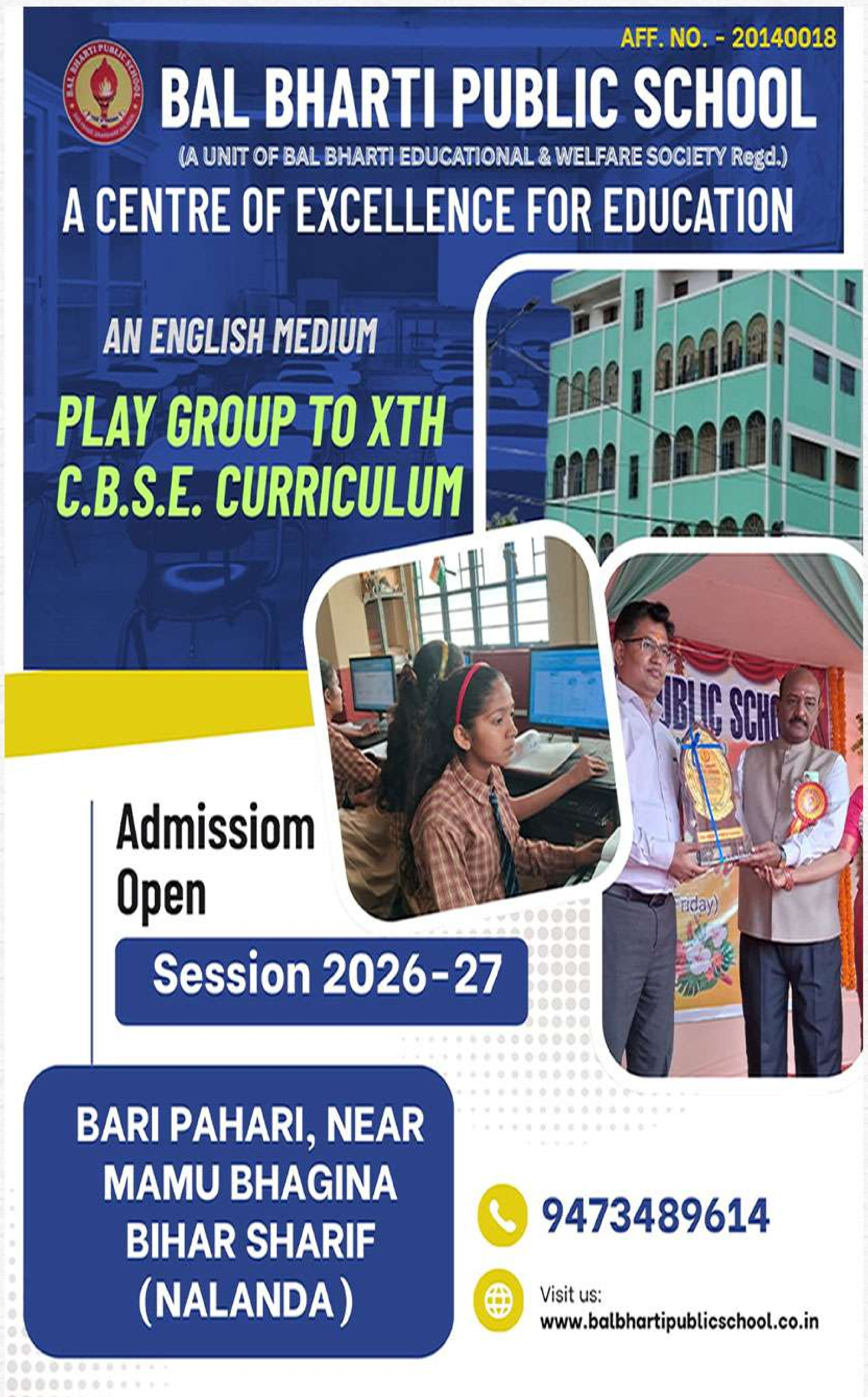

उमानाथ गंगा घाट पर नहाने के दौरान डूबे किशोर की मौत, गांव में पसरा मातम

केशववाणी संवाददाता राकेश कुमार हरनौत (नालंदा)। बाढ़ स्थित उमानाथ गंगा घाट पर स्नान के दौरान डूबने से 16 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार और गांव में मातम का माहौल है। मृतक की पहचान पचौरा गांव निवासी दंगल पासवान के 16 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार के रूप में हुई है। अंशु हरनौत थाना क्षेत्र का रहने वाला था। मृतक के चाचा हीरा पासवान ने बताया कि रविवार की सुबह अंशु कुमार अपने माता–पिता के साथ उमानाथ गंगा घाट पर स्नान करने गया था। स्नान के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते नदी में डूबने लगा। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग नाव की मदद से युवक की तलाश में जुट गए। मामले की सूचना तत्काल स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से खोजबीन शुरू की गई। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नदी से किशोर का शव बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो परिवार में चीख–पुकार मच गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और खतरनाक स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

चेरो सीमावर्ती क्षेत्र के धोवा नदी पुल के पास फलहनमा गांव के एक युवक की सड़क हादसे में हुई मौत, परिजनों का रो-रो कर हुआ बुरा हाल

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत के चेरो सीमावर्ती क्षेत्र के धोवा पुल के पास रविवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान हरनौत थाना क्षेत्र के फलहनमा गांव निवासी भूषण यादव के 34 वर्षीय पुत्र शैलेंद्र कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बताया कि घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम के सिलसिले से बख्तियारपुर की तरफ जा रहे थे उसी दरमियान नैशनल हाईवे 20 पर चेरो–बख्तियारपुर धोवा पुल के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घटना स्थल पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय बख्तियारपुर थाना के पुलिस घटनास्थल पर पह. ुंचकर शव को कब्जे में लेकर मृतक युवक की पहचान कर उनके परिजन को मौत की जानक. ारी दी गई। मौत की खबर सुनते ही सैकड़ो ग्रामीण लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। और आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से मुआवजे की मांग को लेकर रजौली बख्तियारपुर मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। जाम लगने से सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।बख्तियारपुर थाना अध्यक्ष देवानंद शर्मा के द्वारा आक्रोशित परिजनों को करने का आश्वासन दिलाते हुए वहां से जाम को हटाया गया। देवानंद शर्मा ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। शव पोस्टमार्टम कराने के लिए अस्पताल भेजा गया है। वही मौत के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

नौ वर्षीया बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास मामले में फूटा

ग्रामीणों का गुस्सा, आरोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर निकाला आक्रोश मार्च

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट चंडी (नालंदा)। चंडी थाना क्षेत्र के एक गांव में नौ वर्षीया बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म के प्रयास के मामले में आरोपित की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा आरोपित को गिरफ्तार नहीं किए जाने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर आक्रोश मार्च निकाला और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि घटना छह मई की बताई जा रही है। आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने बच्ची को मलाई बर्फ देने का लालच देकर अपने घर में बुलाया और उसके साथ गलत हरकत करने का प्रयास किया। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। परिजनों द्वारा मामले की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई, लेकिन अब तक आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसी बात को लेकरे बड़ी संख्या में ग्रामीण गांव की सड़कों पर उतर आए। लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर आक्रोश मार्च निकाला और प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपित की गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व रवि गोल्डन ने किया। उन्होंने कहा कि एक मासूम बच्ची के साथ इस तरह की घटना बेहद शर्मनाक है और पुलिस को मामले में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी कर कड़ी सजा दिलाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बाद से आरोपित खुलेआम फरार है और पुलिस अब तक उसे पकड़ने में सफल नहीं हो सकी है। इससे लोगों में भय और नाराजगी का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा

चंडी के डा. रामवृक्ष प्रसाद के पौत्र ने की दहेजमुक्त शादी, जन प्रतिनिधियों और चिकित्सकों ने की सराहना

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। नालंदा जिले के चंडी निवासी हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल से अवकाश प्राप्त उपाधिक्षक डा. रामवृक्ष प्रसाद के पौत्र और सचिन कुमार कुंदन के पुत्र अर्णव सिंह की शादी उड़ीसा के बालेश्वर निवासी रोजलीना के साथ हुई। यह शादी दहेज मुक्त हुई। इस कारण इसकी चर्चा हो रही है। वर–वधु अभियंता हैं। दोनों जर्मनी में पदस्थ. ापित हैं। शादी के उपरांत दोनों चंडी आए तो विधायक हरिनारायण सिंह, सांसद कौशलेंद्र कुमार और चिकित्सकों ने शुभकामनाएं दीं। ई. अर्णव सिंह और ई. रोज लीना ने बताया कि दहेज समाज के लिए कलंक के समान है। इन दोनों का मानना है कि दहेज मुक्त शादी के लिए समाज में अगुआ की भूमिका निभाने वाले लोगों को आगे आना चाहिए। कहा कि यदि दहेज लेने वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं मिले तो दहेज मांगने की प्रवृत्ति समाप्त हो सकती है। नव दंपती ने शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि सभी को शिक्षित होना चाहिए। शिक्षा से सामाजिक कुरीतियां दूर हो सकती है। शुभकामनाएं देने वालों में बिहारशरीफ के ख्यात चिकित्सक डा. वीरेंद्र प्रसाद, डा. अरुण कुमार, चंडी के डा. धीरेन्द्र किशोर, डा.पुरुषोत्तम कुमार, जद(यू)के जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार, डा. राम राज सिंह महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्येंद्र कुमार सहित अन्य बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

नालंदा विश्वविद्यालय में 'शास्त्रार्थ 2026' के माध्यम से प्राचीन बौद्धिक परंपरा का पुनर्जीवन छात्र शोधप्रबंध के साथ अपने विचारों को समझें – प्रो. सचिन चतुर्वेदी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय अपने तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर शास्त्रार्थ 2026 का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं बल्कि प्राचीन नालंदा महाविहार की महान बौद्धिक परंपरा के पुनर्जीवन का ऐतिहासिक प्रयास है। विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार शास्त्रार्थ को औपचारिक रूप से अपने शैक्षणिक कैलेंडर में सम्मिलित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य गुरु–शिष्य परंपरा को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर उसे गंभीर बौद्धिक संवाद, तर्क–वितर्क और शोधपरक विमर्श के माध्यम से पुनर्स्थापित करना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा अपने शोध–प्रबंधों का सार्वजनिक प्रतिरक्षण एवं विद्वत् संवाद आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य भारतीय चिंतन परंपरा में निहित तर्क, प्रमाण, संवाद और सत्य की खोज की परंपरा को आधुनिक अकादमिक पद्धति के साथ पुनर्जीवित करना है। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने रविवार को पहले दिन 'शास्त्रार्थ' की परंपरा के बारे में कहा कि छात्र केवल शोधप्रबंध प्रस्तुत न करें, बल्कि अपने विचारों को समझें। स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करें। उनका तर्कपूर्ण प्रतिपादन करें। उन्हें व्यापक संदर्भों में स्थापित कर सकें। शिक्षा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भरोसे नही जा सकता। वह बौद्धिक संघर्ष और आत्मचिंतन से ही विकसित होती है।

कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं ने कभी भी नैतिकता को सार्वजनिक जीवन से अलग नहीं। धर्म, अर्थ और नीति के हमारे विमर्श का उद्देश्य इसी समन्वित सभ्यतागत दृष्टि को पुनर्स्मरण और पुनर्स्थापित करना है। दो दिवसीय इस आयोजन में बौद्ध अध्ययन, हिन्दू अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पुरातत्व, विश्व साहित्य, पारिस्थितिकी एवं सतत विकास जैसे विविध विषयों पर कुल 23 शास्त्रार्थ सत्र आयोजित होंगे। प्रत्येक सत्र में 'पूर्वपक्ष' और 'उत्तरपक्ष' की भारतीय परंपरा के अनुरूप विद्यार्थियों एवं पूर्व छात्रों के मध्य गंभीर वैचारिक संवाद होगा। शास्त्रार्थ की यह परंपरा भारतीय ज्ञान प्रणाली के मूल तत्वों प्रमाण, तर्क और शील पर आधारित है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि इन संवादों का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी को पराजित करना नहीं, बल्कि सत्य की सामूहिक खोज और बौद्धिक परिष्कार है। कार्यक्रम के अंतर्गत नालंदा शास्त्रार्थ सम्मान एवं नालंदा शास्त्रार्थ पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। ये सम्मान उन शिक्षकों और विद्यार्थियों को समर्पित होंगे जिन्होंने प्रश्न, तर्क, विनम्रता और सत्य–अन्वेषण की परंपरा को सशक्त किया है। नालंदा विश्वविद्यालय का मानना है कि शास्त्रार्थ केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि समकालीन समाज में सार्थक संवाद, बौद्धिक स्वतंत्रता और नैतिक अकादमिक संस्कृति के निर्माण का जीवंत माध्यम है। विश्वविद्यालय द्वारा इस परंपरा का पुनर्प्रतिष्ठापन भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक अकादमिक विमर्श से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रेड क्रॉस के स्वास्थ्य शिविर में 160 मरीजों की जांच, हर रविवार मिलेगी निशुल्क सेवा

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा नालंदा द्वारा रविवार को श्रम कल्याण केंद्र मैदान स्थित विस्तारित भवन में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से पीड़ित लोगों की जांच कर उन्हें निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का उद्देश्य निसहाय एवं जरूरतमंद लोगों तक मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है। जांच कराने पहुंचे लोगों ने रेड क्रॉस सोसाइटी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर आम लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहे हैं। संस्था की ओर से बताया गया कि यह स्वास्थ्य शिविर आगे भी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। शिविर में कुल 160 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नीतीश कुमार ने 30 मरीजों का उपचार किया। वहीं फिजिशियन डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. अखिलेश एवं डॉ. इंद्रजीत कुमार ने संयुक्त रूप से 80 मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति कुमारी सिन्हा ने 25 मरीजों का इलाज किया, जबकि फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम ने 20 लोगों को परामर्श दिया। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार एवं डॉ. रितेश कुमार ने भी मरीजों का उपचार किया। इसके अलावा 33 लोगों की मधुमेह जांच की गई। शिविर में डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने ऑडियोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उपस्थित सभी चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं को सुनकर उचित उपचार एवं आवश्यक सुझाव दिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के वॉइस चेयरमैन सुधीर कुमार, सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित, कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार एवं दिलीप पासवान सहित कई आजीवन सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आजीवन सदस्यों में बृज बिहारी, चंद्रमणि कुमार, नागेंद्र कुमार, प्रमोद पंडित, एनएम मुस्कान कुमारी, कुणाल गौरव, शंभू कश्यप, प्रोफेसर स्वधर्म, राकेश कुमार पंकज, अरुण कुमार एवं संजय कुमार ने मरीजों के पंजीकरण, कतार प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग किया। लोगों ने सभी सदस्यों की सेवा भावना और समर्पण की सराहना की।

चोरसुआ गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, 400 ग्रामीणों की आंखों की हुई जांच

नालंदा नेत्रालय की पहल से ग्रामीणों में दिखा उत्साह, समय पर जांच कराने की दी सलाह

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट पावापुरी(नालंदा)। चोरसुआ पंचायत के मुखिया चंदन कुमार के सौजन्य से नालंदा नेत्रालय द्बारा पावापुरी थाना क्षेत्र के चोरसुआ गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 400 ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई तथा दवा वितरण किया गया .शिविर में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवा पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई. गांव में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला. नालंदा नेत्रालय से पहुंचे चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों की आंखों की बारीकी से जांच की और आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया. इस मौके पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अभिनव कुमार ने कहा कि आंखें शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं, इसलिए समय–समय पर नेत्र जांच कराना आवश्यक है.कई बार आंखों से जुड़ी बीमारियां शुरुआती दौर में पता नहीं चलतीं, लेकिन नियमित जांच से बीमारी का समय रहते पता चल जाता है और इलाज आसान हो जाता है. शिविर के दौरान मोतियाबिंद, धुंधला दिखना, आंखों में जलन, कमजोरी और अन्य समस्याओं से पीड़ित लोगों की जांच कर उन्हें उचित सलाह दी गई.जरूरतमंद मरीजों को आगे

उपचार के लिए भी मार्गदर्शन दिया गया. चोरसुआ पंचायत के मुखिया चंदन कुमार ने नालंदा नेत्रालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहे हैं उन्होंने कहा कि गांव के सैकड़ों लोगों को घर के पास ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराने का अवसर मिला, जिससे ग्रामीण काफी खुश नजर आए.ग्रामीणों ने भी भविष्य में ऐसे शिविर लगातार आयोजित करने की मांग की. इस मौके चोरसुआ पंचायत के सरपंच डॉ राकेश कुमार, उपमुखिया डॉ संजीव कुमार, वार्ड सदस्य संजीव कुमार, राजीव कुमार बिहारी, संजीव कुमार निराला, मनोज कुमार राजीव कुमार उर्फ वीरू जी , प्रकाश प्रसाद उर्फ पताली जी उत्तम कुमार एवं समस्त डॉक्टर टीम के सदस्य का अहम योगदान रहा

राजगीर मलमास मेला में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, थिएटर में डांस देखते नजर आए सुरक्षाकर्मी

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। राजगीर में एक माह तक चलने वाले ऐतिहासिक मलमास मेला की शुरुआत होते ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। मेले के पहले ही दिन कुछ सुरक्षाकर्मी श्रद्धालुओं की सुरक्षा छोड़ थिएटर के अंदर बार–बालाओं का डांस देखते नजर आए। बताया जा रहा है कि मलमास मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। प्रशासन का उद्देश्य मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। लेकिन मेले के उद्घाटन के साथ ही कुछ सुरक्षाकर्मियों की कार्यशैली चर्चा का विषय बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मेले में लगाए गए तीन थिएटरों में बार–बालाओं का डांस कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान कुछ सुरक्षाकर्मी थिएटर के अंदर बैठकर कार्यक्रम का आनंद लेते दिखाई दिए। वहीं जैसे ही मीडिया कर्मियों का कैमरा उनकी ओर घूमा, कई सुरक्षाकर्मी थिएटर छोड़कर बाहर निकलते नजर आए। इस घटना के बाद मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु मेले में पहुंच रहे हैं, वहीं सुरक्षा में तैनात जवानों को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, न कि मनोरंजन कार्यक्रमों में समय बिताना चाहिए। फिलहाल इस मामले को लेकर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।